

पूर्व सेबी चीफ माधवी बुच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश

विशेष एसीबी अदालत ने कहा कि वह स्वयं जांच की निगरानी करेगी

मुंबई, 02 मार्च। मुंबई की एसीबी अदालत ने पूर्व सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच और 5 अन्य के खिलाफ कथित शेर बाजार धोखाधड़ी और नियामक उल्लंघनों के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) वाली को आदेश दिया कि वह माधवी पुरी बुच, ऑल टाइम मेंबर अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण, कमलेश चंद्र वर्मन, बीएसई के सीईओ सुंदरमन राममूर्ति और पूर्व चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें।

विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश, शशिकांत एकनाथराव बांगड ने पारित आदेश में कहा, "इन व्यक्तियों के खिलाफ नियमों में चूक और मिलीभगत के प्रथम दृष्टया सबूत मिले हैं, इसलिए इसमें एक निष्पक्ष

न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगड ने पारित आदेश में कहा कि वह स्वयं जांच की निगरानी करेगी। 30 दिनों के भीतर मामले की स्थिति रिपोर्ट मांगी है।

अदालत के आदेश में यह भी जिक्र किया गया कि पांचों आरोपियों के खिलाफ जो आरोप लगे हैं वह संज्ञानीय अपराध की प्रकृति के हैं, जिसके लिए जांच की आवश्यकता है। कोर्ट ने कहा, "कानून प्रवर्तन (एजेंसियों) और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।" इस केस के शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ कथित जांच की मांग की थी। शिकायतकर्ता एक मीडिया रिपोर्टर हैं और उन्होंने कहा है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, नियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार शामिल है। आरोप में कहा गया है कि एक कंपनी थी, 1992 के सेबी अधिनियम और उसके तहत नियमों और विनियमों के अनुपालन के बिना स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग की गई थी। आरोप में कहा

गया है कि इस लिस्टिंग में नियामक एजेंसियां, खास तौर से सेबी की सक्रिय मिलीभगत रही है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारी अपनी वैधानिक जिम्मेदारी निभाने में नाकामयाब रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि सेबी ने बाजार में हेरफेर को शह दी और एक एसी कंपनी को लिस्टिंग की इजाजत दी जो तय मानदंडों को पूरा नहीं करती थी। शिकायतकर्ता ने कहा कि पुलिस स्टेशन और संबंधित नियामक निकायों से कई बार संपर्क करने के बावजूद, उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

प्र.मंत्री मोदी ने रमजान महीने की शुरुआत पर शुभकामनायें दी

नयी दिल्ली, 02 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को रमजान का महीना शुरू होने पर लोगों को शुभकामनायें देते हुये इस अवसर समाज में शांति और सद्भाव को कामना की है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रमजान का

उन्होंने कहा कि यह पवित्र महीना आत्मचिन्तन, कृतज्ञता और आस्था का प्रतीक है।

पवित्र माह शुरू हो रहा है, उम्मीद है कि यह हमारे समाज में शांति और सद्भाव लेकर आयेगा। यह पवित्र महीना आत्मचिन्तन, कृतज्ञता और आस्था का प्रतीक है, साथ ही यह हमें करुणा, दया और सेवा के मूल्यों को याद दिलाता है।

ट्रम्प के साथ विवाद पर जैलैस्की से सार्वजनिक माफी चाहता है अमेरिका

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जैलैस्की के रवैये से अमेरिकी राष्ट्रपति अपमानित महसूस कर रहे हैं

माँस्को, 2 मार्च। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प का प्रशासन वाइट हाउस में एक बैठक के दौरान हुए विवाद के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर जैलैस्की से सार्वजनिक माफी चाहता है। ब्लूमबर्ग ने एक अज्ञात यूरोपीय अधिकारी के हवाले से यह खबर दी है।

जातव्य है कि वॉशिंगटन में शुरूआत को ट्रम्प और जैलैस्की के बीच मुलाकात हुई थी जो बाद में तकरार में बदल गई। "फॉक्स" न्यूज के अनुसार बैठक में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसमें ट्रम्प ने जैलैस्की पर आरोप लगाया था कि वह रूस के साथ शांति वार्ता में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इस पर यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेन को रूस के साथ शांति वार्ता में सहयोग करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया, ट्रम्प ने गरमा-गरम बहस के बाद जैलैस्की को "बाहर निकाल दिया"।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने जैलैस्की के रवैये से अपमानित महसूस किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच दुर्लभ पृथ्वी धातुओं पर एक समझौते पर हस्ताक्षर रद्द कर दिया गया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने 'सीएनएन' के साथ एक साक्षात्कार में यूक्रेन के राष्ट्रपति से ट्रम्प के साथ अपनी बैठक के बाद माफी मांगने का आग्रह किया है। विदेश मंत्री ने कहा, जैलैस्की को अपने व्यवहार के लिए माफी मांगनी चाहिए, जिसने बैठक को "फियास्को" में बदल दिया। ट्रम्प यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता को बढ़ावा देना चाहते हैं, लेकिन जैलैस्की के व्यवहार ने इस प्रयास को पटरी से उतार दिया है।

मणिपुर में जनता ने स्वेच्छा से 42 हथियार सौंपे

इंफाल, 02 मार्च। मणिपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान जनता ने स्वेच्छा से इंफाल पश्चिम, चुराचांदपुर, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर और तामेंगलोंग जिला पुलिस के समक्ष कुल 42 विभिन्न प्रकार के हथियार, विभिन्न गोला-बारूद, युद्ध सामग्री और अन्य वस्तुएं सौंप दीं। पुलिस ने रविवार को कहा कि हथियारों में 303

राइफल, डीबीबीएल, एसबीबीएल, ग्रेनेड, 32 पिस्तौल (देशी), पोम्पी बंदूक, वॉकी टॉकी, इंसास राइफल मैगजीन, 7.62 मिमी घातक राइफल शामिल हैं।

इसके अलावा, इम्फाल पश्चिम जिले के लमशांग-पीएस के तहत सैरमखुल क्षेत्र से एक 5.56 मिमी इंसास

सुरक्षा बलों ने पहाड़ी श्रृंखलाओं में 15 एकड़ में उगाई जा रही अवैध अफीम की फसल भी नष्ट की।

एलएमजी, एक मैगजीन के साथ 5.56

से उगाई गई अफीम की फसल को भी नष्ट किया गया। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले की पहाड़ियों में स्थित दो अवैध बंकरों को भी ध्वस्त कर दिया। मणिपुर पर्वत श्रृंखला के कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिलों के समीपवर्ती क्षेत्रों में तीन अन्य अवैध बंकरों को ध्वस्त कर दिया गया।

‘थकी हुई नीतीश सरकार जनता के हित में निर्णय नहीं ले पा रही’

पटना, 2 मार्च। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि सरकार में इच्छा शक्ति हो तो बेहतर प्लान के साथ सब के हित में काम हो सकता है लेकिन नीतीश सरकार एक थकी हुई सरकार है, जो जनता के हित में निर्णय नहीं ले पा रही है। यादव ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार सरकार कैसे काम कर रही है, यह नीति आयोग की रिपोर्ट से ही स्पष्ट होता है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा, चिकित्सा, कृषि में बिहार फिसट्टी है। पलायन और शिक्षा की बढ़ती लागत से लोग काफी परेशान हैं लेकिन इस दिशा में सरकार के स्तर से कोई कार्य नहीं किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप

तेजस्वी यादव ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा, चिकित्सा, कृषि के क्षेत्र में बिहार फिसट्टी है।

लगाया कि बिहार में भ्रष्टाचार, अपराध, गरीबी और बेरोजगारी से आम लोग तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री कुछ करने की बजाय हमेशा अपना पुराना टेप रिकॉर्डर बजाते रहते हैं और वर्ष 2005 के पहले की बातें ही बार-बार दोहराते हैं। यादव ने विधानसभा में सोमवार को पेश होने वाले बजट में राज्य की सभी महिलाओं के लिए प्रति माह 2500 रुपये की मदद देने तथा बुढ़ावस्था, दिव्यांगता और विधवा पेंशन की राशि को 400 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये किए जाने की घोषणा करने की मांग की।

‘मेरे जिन्दा रहने तक पार्टी में कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा’

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया

लखन, 02 मार्च। उत्तर प्रदेश में कभी राज करने वाली बसपा में आज घमासान चल रहा है। रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा फैसला सुनाया। उन्होंने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया। आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ के निष्कासन के बाद उनका यह दूसरा बड़ा फैसला है। वहीं उन्होंने आकाश के भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को बड़ी जिम्मेदारी दी। दोनों को नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। इस मौके पर मायावती ने कहा कि अब मेरे जिंदा रहने तक कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। पार्टी और मूवमेंट के हित में रिश्ते नातों का कोई महत्व नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने कहा, अब मैंने

मायावती ने पहले आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला था। अब उन्होंने आकाश के भाई आनंद कुमार और रामजी को नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिये पार्टी व मूवमेंट पहले हैं। भाई-बहन व उनके बच्चे व अन्य रिश्ते नाते आदि बाद में हैं।'

खुद भी यह फैसला लिया है कि मेरे जीते जी व मेरी आखिरी सांस तक भी अब पार्टी में मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नहीं होगा। इस फैसले का पार्टी के लोगों ने दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पार्टी व मूवमेंट पहले हैं। भाई-बहन व उनके बच्चे तथा अन्य रिश्ते नाते आदि सभी बाद में हैं। मायावती ने कहा कि आनंद कुमार के बारे में मैं यह भी अवगत

करना चाहती हूँ कि वर्तमान में बदले हुए हालात में, पार्टी व मूवमेंट के हित में अब इन्होंने अपने बच्चों का रिश्ता भी गैर-राजनैतिक परिवार के साथ ही जोड़ने का फैसला लिया है ताकि अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे कभी भी अपनी पार्टी को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान आदि ना हो सके। मायावती ने कहा कि अशोक

सिद्धार्थ, जो आकाश आनंद के ससुर भी हैं, को अब पार्टी व मूवमेंट के हित में पार्टी से निकाल कर बाहर किया है जिसने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का घिनौना कार्य किया है, जो कतई बदरिश्त करने लायक नहीं है। मायावती ने कहा, जहां तक इस मामले में आकाश आनंद का सवाल

है तो आपको यह मालूम है कि अशोक सिद्धार्थ की लड़की के साथ इनकी शादी हुई है। आकाश आनंद को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है। जिसके लिए पार्टी नहीं बल्कि पूर्ण रूप से इसका ससुर अशोक सिद्धार्थ ही जिम्मेदार हैं, जिसने पार्टी को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ आकाश आनंद के राजनीतिक कैरियर को भी खराब कर दिया है। उन्होंने पार्टी के लोगों को विश्वास दिलाते हुए कहा, जब तक मैं जिन्दा रहूंगी तो तब तक मैं अपनी-आखिरी सांस तक भी अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पार्टी को आगे बढ़ाने का हर सम्भव पूरा-पूरा प्रयास करती रहूंगी।

सड़क दुर्घटना में 3 मजदूर मरे 8 घायल

मुरादाबाद, 02 मार्च। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में नेशनल हाईवे-09 पर रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक तरफ खड़े हुए खराब कैटर में दूरे वाहन ने टक्कर मार दी, जिसमें चालक व दो महिलाओं सहित 11 मजदूर कुचल गए। हादसे में तीन की मौत हो गयी एवं आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आधिकारिक पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज तड़के चार बजे एक कैटर वाहन दिल्ली से, लखीमपुर-खीरी जिले के दस मजदूरों को लेकर लखीमपुर-खीरी जा रहा था। मुरादाबाद कटघर थाना

खड़े हुए कैटर से एक अज्ञात वाहन की भीषण टक्कर में तीन मजदूर कैटर के नीचे दब गये। क्षेत्र स्थित कल्याणपुरा के समीप नेशनल हाईवे-09 पर पहुंचने पर कैटर रास्ते में अचानक खराब हो गया। वाहन में सवार तीन लोग कैटर को पीछे की ओर धकेल रहे थे कि पीछे से एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी, और तीनों मजदूर कैटर के नीचे दबकर मर गए। इनके अलावा कैटर में सवार चालक सहित आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सभी मजदूर दिल्ली से मजदूरी कर अपने घर वापस लखीमपुर-खीरी जा रहे थे। कैटर में टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से भाग गया।